देश में कुल 2.9 करोड़ हेक्टेयर में गेहूं की बुआई होती है, 96 लाख हेक्टेयर सिर्फ यूपी में है

गन्ने की कटाई में देरी से घट सकता है गेहूं का रकबा

[माधवी सैली *नई दिल्ली*]

उत्तर प्रदेश में गन्ने की कटाई में देरी से देश में गेहूं की बुआई में 1-2 फीसदी की गिरावट हो सकती है। देश में कुल 2.9 करोड़ हेक्टेयर गेहूं की बुआई होती है। इनमें से 96 लाख हेक्टेयर गेहूं की बुआई सिर्फ उत्तर प्रदेश में होती है। अब तक हरियाणा, मध्य प्रदेश और कर्नाटक में कुल 4.2 लाख हेक्टेयर में गेहूं की बुआई हुई है।

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक देश है और फिलहाल देश के पास 3.5 करोड़ टन गेहूं का रिकॉर्ड स्टॉक है। पिछले साल गेहूं का उत्पादन 9.24 करोड़ टन रहा था। डायरेक्टोरेट ऑफ वीट रिसर्च करनाल की हेड इंदु शर्मा ने बताया, 'गेहूं की बुआई के लिए पूरे देश में अनुकूल मौसम है। हालांकि, उत्तर प्रदेश में गन्ने की कटाई का काम अब तक शुरू नहीं हुआ है। इसका गेहूं की बुआई और प्रोडक्शन पर नेगेटिव असर हो सकता है।'

उनके मुताबिक, सामान्य तौर पर गेहूं की बुआई 15 नवंबर तक जारी रहेगी, जबकि देश के कुछ हिस्सों में यह काम दिसंबर के दूसरे हफ्ते तक चालू रहेगा। शर्मा ने बताया, 'समय पर बुआई नहीं होने से इसकी पैदावार कम हो सकती है। अगर बुआई जल्दी शुरू नहीं होती है, तो गेहूं के रकबे और प्रोडक्शन में कमी आनी तय है।'

केन कमिश्नर के ऑफिस के मुताबिक, इस साल उत्तर प्रदेश में 25.1 लाख हेक्टेयर में गन्ने की फसल लगाई गई है।

राज्य में अब तक गन्ने की पेराई नहीं शुरू हुई है। शुगर इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों का कहना है कि गन्ने की डिलीवरी पर किसानों को शुगर मिलों की तरफ से एक रुपए का भी भुगतान नहीं हुआ है।

सूत्रों के मुताबिक, राज्य में गन्ने की पेराई तब तक नहीं शुरू होगी, जब तक राज्य सरकार गन्ना प्राइसिंग लिंकेज फॉर्मूला तय नहीं करती है। राज्य में गन्ने की मौजूदा कीमत 280 रुपए प्रति क्विंटल है और चीनी 29 रुपए प्रति किलो है। राज्य में गन्ना किसानों का बकाया 2,400 करोड़ रुपए है।

उत्तर प्रदेश एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट के अधिकारियों के मुताबिक, पश्चिम उत्तर प्रदेश के इलाकों मसलन सहारनपुर, आगरा, अलीगढ़, मेरठ और मुरादाबाद में 65 फीसदी से भी ज्यादा खेतों में गन्ना है और यहां गेहूं की बुआई में देरी हो सकती है। उत्तर प्रदेश एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट के ज्वाइंट डायरेक्टर संतोष कुमार अग्निहोत्री ने बताया, 'अब तक सिर्फ 2 लाख हेक्टेयर में गेहूं की बुआई शुरू हुई है। अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि इस बार गेहूं के रकबे में गिरावट होगी या नहीं। हम आंकड़े इकट्ठा कर रहे हैं।'

बेहतर कीमत और पानी की पर्याप्त उपलब्धता के कारण इस रबी सीजन में गेहूं के रकबे और प्रोडक्शन में बढ़ोतरी की उम्मीद जताई जा रही थी। सरकार ने क्रॉप ईयर 2013-14 के लिए गेहूं का मिनिमम सपोर्ट प्राइस 50 रुपए बढ़ाकर 1,400 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया है।

Economic Times
8/11/13